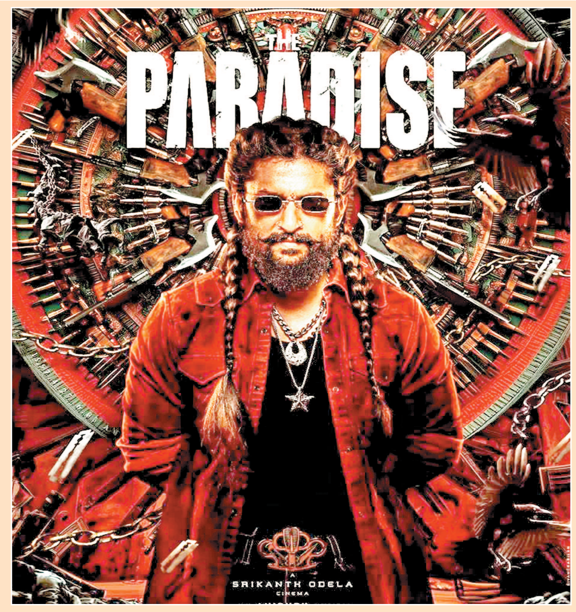

फिल्म 'द पैराडाइज' का टीजर रिलीज

अभिनेता नानी और राघव जुयाल अभिनीत बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म 'द पैराडाइज' का टीजर रिलीज़ हो गया है, जिसमें दोनों कलाकारों के बीच दमदार टक्कर की झलक देखने को मिली है.श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर एक्शन, ड्रामा और शानदार विजुअल्स से भरपूर है. स्लम की पृष्ठभूमि पर आधारित कहानी में नानी दमदार और खौफनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं, जबकि राघव जुयाल एक खतरनाक विलेन की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं. टीजर में दोनों के आमने-सामने आने से फिल्म के रोमांचक होने के संकेत मिलते हैं. 'दसरा' की सफलता के बाद नानी और श्रीकांत ओडेला की यह दूसरी फिल्म है. फिल्म का गीत 'आया शेर' पहले ही यूट्यूब पर 20 करोड़ से अधिक व्यूज़ और 18 लाख से ज्यादा लाइक्स हासिल कर चुका है. सोशल मीडिया पर भी यह गीत तेजी से लोकप्रिय हुआ है और इस पर हजारों रील्स बनाई जा चुकी हैं.

यश की उदारता की कायल हुईं रुक्मिणी

रॉकिंग स्टार यश और अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है. फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर जहां दर्शकों को इसकी एक्शन, अपराध, रोमांस और धोखे से भरी दुनिया की झलक देखने को मिली, वहीं अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत की भावुक बातें भी चर्चा का विषय बन गईं. उन्होंने फिल्म में यश के साथ काम करने के अपने अनुभव को याद करते हुए कहा कि यश ने उन्हें सिर्फ एक सह-कलाकार की तरह नहीं देखा, बल्कि एक मजबूत सहयोगी के रूप में आगे बढ़ने का अवसर दिया.

फिल्म में रुक्मिणी रहस्यमयी किरदार मेलिसा की भूमिका निभा रही हैं. ट्रेलर में उनका अंदाज उनके अब तक के काम से काफी अलग दिखाई दे रहा है. तीखे हावभाव, रहस्यमयी व्यक्तित्व और अपराध की दुनिया से जुड़े किरदार ने फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है. रुक्मिणी ने इस जटिल भूमिका को निभाने के दौरान निर्देशक गीति मोहनदास से मिले मार्गदर्शन को भी याद किया.

दिल चाहता है' की कास्टिंग थी बेहद मुश्किल

साल 2001 में रिलीज हुई 'दिल चाहता है' को हिंदी सिनेमा की उन फिल्मों में गिना जाता है, जिन्होंने दोस्ती को पर्दे पर देखने का नजरिया बदल दिया। आमिर खान, अक्षय खन्ना और सैफ अली खान की तिकड़ी वाली इस फिल्म ने न सिर्फ युवाओं की दोस्ती, रिश्तों और जिंदगी को नए अंदाज में दिखाया, बल्कि उस समय की प्रचलित फिल्मी कहानियों से भी अलग रास्ता चुना.

फिल्म के 25 साल पूरे होने पर निर्देशक फरहान अख्तर ने इसकी कास्टिंग से जुड़ी ऐसी कहानी बताई है, जो फिल्म के निर्माण के पीछे की चुनौतियों को सामने लाती है. फरहान ने बताया कि जब वह 'दिल चाहता है' बनाने की तैयारी कर रहे थे, उस समय हिंदी सिनेमा में प्रेम त्रिकोण वाली कहानियों का खासा चलन था. ऐसे माहौल में तीन दोस्तों की कहानी पर फिल्म बनाना उनके लिए आसान नहीं था. कलाकारों के बीच एक लड़की को लेकर संघर्ष दिखाने के बजाय फरहान दोस्ती को कहानी का केंद्र बनाना चाहते थे. उनका मानना था कि दो दोस्तों का एक ही लड़की के लिए लड़ना पुराना फॉर्मूला था और वह इससे अलग कुछ करना चाहते थे.

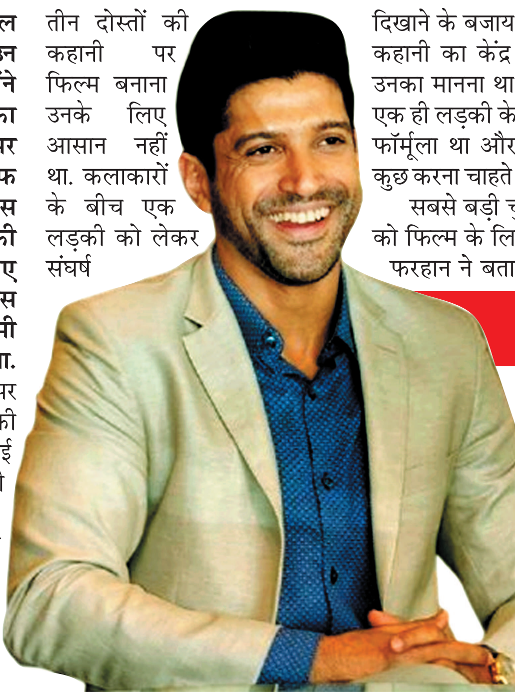

सबसे बड़ी चुनौती आमिर खान को फिल्म के लिए तैयार करना थी. फरहान ने बताया कि आमिर को

फरहान ने खोला राज

कास्ट करना बिल्कुल आसान नहीं था. उस दौर में कई कलाकार मल्टी-हीरो फिल्मों से बचना चाहते थे. आमिर भी ऐसी फिल्म करने को लेकर तुरंत तैयार नहीं हुए. उन्हें आमिर को पूरी पटकथा सुनाने के लिए तैयार करने में करीब आठ महीने लग गए. दिलचस्प बात यह रही कि फरहान ने आमिर को फिल्म से जोड़ने के लिए अपने पिता और मशहूर गीतकार जावेद अख्तर के संबंधों का सहारा नहीं लिया. जावेद अख्तर ने आमिर के साथ 'लगान' में काम किया था, लेकिन फरहान ने खुद लगातार प्रयास किया. उन्होंने आमिर से किसी विशेष परिचय या सिफारिश के जरिए संपर्क कराने की कोशिश नहीं की, बल्कि अपनी कहानी और किरदार पर भरोसा रखते हुए इंतजार किया. आखिरकार जब आमिर ने पूरी पटकथा सुनी तो उन्हें कहानी पसंद आई.

वरुण धवन निभाएंगे वाईआरएफ की पहली हॉरर फिल्म में मुख्य भूमिका

यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) पहली बार हॉरर जॉनर में कदम रखने जा रही है. इस फिल्म में अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि निर्देशन और पटकथा की जिम्मेदारी 'रॉकेट बॉयज़' से चर्चित अभय पन्नू संभालेंगे.फिल्म की शूटिंग इस वर्ष के अंत में शुरू होने की योजना है और इसे वर्ष 2027 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जाएगा. वाईआरएफ की पहली हॉरर फिल्म के लिए वरुण धवन को मुख्य अभिनेता के रूप में चुना गया है. सूत्रों का कहना है कि यश राज फिल्म्स ने अब तक लगभग हर प्रमुख जॉनर में फिल्में बनाई हैं, लेकिन हॉरर ऐसा जॉनर था, जिसमें स्टूडियो ने अब तक कदम नहीं रखा था. यह फिल्म उसी दिशा में वाईआरएफ की पहली पेशकश होगी. अभय पन्नू के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म को अक्षय विधानी रणनीतिक रूप से आगे बढ़ा रहे हैं.

प्रेम की अकड़ पर भारी पड़ेगी अनुपमा की चेतावनी

स्टार प्लस के लोकप्रिय सीरियल 'अनुपमा' में इन दिनों कहानी तेजी से नए मोड़ ले रही है. प्रेम और अनुपमा के बीच चल रहा स्वाद और रिश्तों पर आधारित खाना पकाने का मुकाबला अब अपने ग्रैंड फिनाले में पहुंच चुका है.

प्रतियोगिता के इस अंतिम दौर में जहां हर छोटी गलती जीत और हार का फैसला कर सकती है, वहीं प्रेम का गुस्सा, अहंकार और अनुपमा को हराने का जुनून उसके लिए बड़ी मुश्किल खड़ी करता नजर आ रहा है. कहानी के मौजूदा ट्रैक में वाइल्ड कार्ड एंट्री का दौर पूरा हो चुका है. इसके बाद मुकाबला और भी दिलचस्प हो जाता है. प्रेम अपनी जीत को

लेकर इतना आश्वस्त और जिद्दी दिखाई देता है कि वह अनुपमा से नमक लेने से भी इनकार कर देता है. उसकी यह छोटी-सी गलती आखिरकार उसके खिलाफ चली जाती है और उसे प्रतियोगिता में नुकसान उठाना पड़ता है.

> प्रेम के व्यवहार में लगातार बढ़ता गुस्सा और घमंड अनुपमा की नजरों से भी छिपा नहीं रहता. वह प्रेम को समझाने की कोशिश करती है और उसे चेतावनी देती है कि गुस्सा, अहंकार और अपनी बात को हर हाल में सही साबित करने की जिद ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है. अनुपमा के मुताबिक, अगर प्रेम ने इन कमियों पर काबू नहीं पाया तो यही उसके पतन की वजह बन सकती हैं. प्रेम का पूरा ध्यान अनुपमा को हराने और उससे बदला लेने पर लगा हुआ है. वह अपनी गलतियों को स्वीकार करने के बजाय अनुपमा के खिलाफ अपनी नाराजगी को आगे बढ़ाता रहता है. राही भी उसे समझाने की कोशिश करती है और उसे अपने व्यवहार पर विचार करने की सलाह देती है.

'बयान' के ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर से खुश हुमा कुरैशी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी की आगामी फिल्म 'बयान' अंतरराष्ट्रीय फिल्म मंच पर दस्तक देने के लिए तैयार है.

बिकास रंजन मिश्रा के लेखन और निर्देशन में बनी यह हिंदी पुलिस प्रक्रिया आधारित ड्रामा फिल्म 2026 इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न की आधिकारिक लाइन-अप में शामिल की गई है. फिल्म का ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर मेलबर्न में होगा. इस उपलब्धि को लेकर हुमा कुरैशी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए फिल्म को अपने करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण और भावनात्मक रूप से संतोष देने वाली फिल्मों में से एक बताया है. 'बयान' में हुमा कुरैशी एक दृढ़ निश्चयी पुलिस अधिकारी रूही की भूमिका निभा रही हैं. कहानी रूही के पहले बड़े मामले की जांच पर केंद्रित है. यह मामला एक प्रभावशाली धार्मिक गुरु पर लगे यौन शोषण के आरोपों से जुड़ा है. जांच के दौरान रूही को सिर्फ एक कठिन मामले की तह तक जाने की चुनौती नहीं मिलती, बल्कि उसे ऐसी व्यवस्था का भी सामना करना पड़ता है जहां सच सामने लाना आसान नहीं है. रूही के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में गवाही देने से लोगों का हिचकना और व्यवस्था से जुड़े दबाव शामिल हैं.

अरमान की गैरमौजूदगी में अभिरा ने अकेले संभाला बड़ा संकट

स्टार प्लस के लोकप्रिय सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की कहानी इन दिनों रिश्तों, परिवारों की दुश्मनी और करियर से जुड़ी चुनौतियों के बीच तेजी से आगे बढ़ रही है.

अरमान और अभिरा की जिंदगी में एक के बाद एक नई परेशानियां दस्तक दे रही हैं. जहां अभिरा अपने परिवार और पेशेवर जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है, वहीं अरमान का पूरा ध्यान मैरा की तरफ जाता दिखाई दे रहा है. ऐसे में जब अभिरा को एक बड़े संकट का सामना करना पड़ता है, तब उसे अरमान की गैरमौजूदगी में खुद ही मोर्चा संभालना पड़ता है.

मौजूदा ट्रैक में अभिरा उस वक्त चौंक जाती है, जब सोशल मीडिया पर उसके और अरमान के खिलाफ कई तरह की अफवाहें फैलने लगती हैं. दोनों पर आरोप लगाया जाता है कि उन्होंने दूसरे वकीलों से मामले छीनकर और धोखे का सहारा लेकर अपनी लोकप्रियता बढ़ाई है. इन आरोपों के पीछे दमानी परिवार का हाथ बताया जा रहा है. अभिरा हालांकि

दबाव में आने के बजाय पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी और अपनी फर्म की तरफ से जवाब देती है. अभिरा दमानी के फर्जी आरोपों का मजबूती से सामना करती है और यह साफ करने की कोशिश करती है कि उसकी सफलता किसी धोखे या दूसरे वकीलों के अधिकार छीनने का नतीजा नहीं है. इस मुश्किल घड़ी में वह चाहती है कि अरमान उसके साथ खड़ा हो, लेकिन अरमान का ध्यान मैरा की परेशानियों पर अधिक है. यही बात अभिरा को अंदर से परेशान करती है.

> अरमान का मैरा के प्रति जरूरत से ज्यादा फोकस आने वाले समय में अभिरा और पूरे परिवार के लिए नई समस्याएं पैदा कर सकता है. एक तरफ अभिरा को अपनी पेशेवर प्रतिष्ठा बचानी है, तो दूसरी ओर पोडदार परिवार दमानी परिवार से बढ़ती दुश्मनी के बीच खुद को मजबूत बनाए रखने की कोशिश कर रहा है. इसी बीच कहानी में मैरा और कबीर का ट्रैक भी दिलचस्प मोड़ लेता है.

आइओबी में ग्रेजुएट्स के लिए बैंक नौकरी

बैंकिंग क्षेत्र में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए इंडियन ओवरसीज बैंक ने एक बड़ा अवसर पेश किया है. बैंक ने जूनियर मैनेजमेंट ग्रेड स्केल-ढ्ढ में लोकल बैंक ऑफिसर के 250 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है.

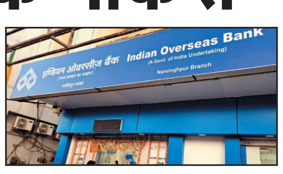

ऑनलाइन आवेदन 8 अगस्त 2026 से शुरू हो चुके हैं और योग्य उम्मीदवार 24 अगस्त 2026 तक आवेदन कर सकते हैं. इस भर्ती के जरिए चयनित उम्मीदवारों को अधिकारी स्तर पर बैंकिंग क्षेत्र में करियर बनाने का मौका मिलेगा. इंडियन ओवरसीज बैंक की यह भर्ती चार राज्यों के लिए की जा रही है.

> तमिलनाडु में लोकल बैंक ऑफिसर के सबसे ज्यादा 100 पद हैं. इसके अलावा कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात में 50-50 पदों पर नियुक्ति की जाएगी. उम्मीदवारों को ध्यान रखना होगा कि जिस राज्य के लिए वे आवेदन करेंगे, चयन के बाद पोस्टिंग भी उसी राज्य में दी जाएगी. इस भर्ती की खास शर्त स्थानीय भाषा से जुड़ी है.

शिक्षकों की बंपर भर्ती, 1654 पदों पर मौका

छत्तीसगढ़ में सरकारी शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है. राज्य में शिक्षकों के 1654 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है. इन पदों के लिए आवेदन का मौका अभ्यर्थियों को दिया जा रहा है. लंबे समय से शिक्षक भर्ती का इंतजार कर रहे उम्मीदवारों के लिए यह भर्ती महत्वपूर्ण अवसर है.

इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन करने से पहले भर्ती से जुड़ी सभी पात्रता शर्तों और नियमों को अच्छी तरह समझ लें. शिक्षक भर्ती में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वे अपनी शैक्षणिक योग्यता और अन्य पात्रता मानदंड की जांच आवेदन करने से पहले कर लें. भर्ती में

अलग-अलग पदों के लिए योग्यता की शर्तें अलग हो सकती हैं. इसलिए उम्मीदवारों को केवल किसी सोशल मीडिया पोस्ट या अनधिकृत वेबसाइट पर दी गई जानकारी के आधार पर आवेदन नहीं करना चाहिए, बल्कि संबंधित विभाग की आधिकारिक अधिसूचना में दिए गए नियमों को ही मानना चाहिए.

भर्ती प्रक्रिया में पदों का वर्गीकरण, विषयवार रिक्तियां, आरक्षित वर्ग के लिए निर्धारित पद, आयु सीमा और आवश्यक शैक्षणिक योग्यता जैसी जानकारी महत्वपूर्ण होगी. उम्मीदवारों को आवेदन भरने से पहले इन सभी बिंदुओं की जांच करनी चाहिए. इसके अलावा आवेदन पत्र में व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक दस्तावेज और प्रमाण-पत्रों से जुड़ी जानकारी सावधानी से भरना जरूरी है. आवेदन प्रक्रिया के दौरान उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन शुल्क, यदि लागू हो, जमा करना होगा. आवेदन पूरा करने के बाद अभ्यर्थियों को अपने आवेदन पत्र की प्रति सुरक्षित रखनी चाहिए. भविष्य में चयन प्रक्रिया के दौरान इसकी जरूरत पड़ सकती है. शिक्षक भर्ती में चयन की प्रक्रिया भी उम्मीदवारों के लिए अहम होगी. चयन का तरीका संबंधित भर्ती नियमों और आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार निर्धारित किया जाएगा.

अगस्त में सरकारी नौकरियों की बंपर बहार, 9800 पद खाली

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अगस्त 2026 का यह सप्ताह बेहद महत्वपूर्ण है. देश के अलग-अलग राज्यों और सरकारी संस्थानों में 9,800 से अधिक पदों पर भर्ती के अवसर सामने आए हैं.

बैंकिंग, राजस्व, शिक्षा, बिजली और स्वास्थ्य जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में निकली इन भर्तियों में 10वीं-12वीं से लेकर स्नातक और तकनीकी योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों के लिए उमौके हैं.

हालांकि, अलग-अलग भर्ती की पात्रता और आवेदन की अंतिम तारीख अलग निर्धारित की गई है, इसलिए उम्मीदवारों को समय रहते आवेदन करना जरूरी है.

पंजाब पीटीआई भर्ती: पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग ने शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक के 2,000 पदों पर भर्ती निकाली है. 10वीं या 12वीं के साथ डीपीएड या बीपीएड जैसी निर्धारित योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं. आवेदन की अंतिम तारीख 31 अगस्त 2026 है. आयु सीमा 18 से 37 वर्ष रखी गई है.

एसबीआई क्लर्क भर्ती

भारतीय स्टेट बैंक ने जूनियर एसोसिएट यानी क्लर्क के 1,538 पदों पर विशेष भर्ती निकाली है. इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 27 अगस्त 2026 तक आवेदन कर सकते हैं. इसके लिए किसी भी विषय से स्नातक होना जरूरी है. आयु सीमा 20 से 28 वर्ष निर्धारित है, जबकि आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु में छूट मिलेगी. मध्य प्रदेश पटवारी भती: मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने ग्रुप-2 उप समूह-4 के तहत पटवारी समेत 2,106 पदों पर सीधी भर्ती शुरू की है. स्नातक उम्मीदवार 22 अगस्त 2026 तक आवेदन कर सकते हैं. आवेदकों की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए.

छात्रों के लिए बड़ा मौका, स्पेस चैलेंज में मिलेंगे 5 लाख

भारत की यूनिवर्सिटीज में पढ़ने वाले छात्रों के लिए स्पेस और तकनीक के क्षेत्र में अपना इनोवेटिव आइडिया पेश करने का शानदार मौका सामने आया है. वीएसटी ने 'स्पेस फॉर गुड इंडिया चैलेंज 2026' लॉन्च किया है. इस प्रतियोगिता में छात्र स्पेस और सैटेलाइट तकनीक के जरिए वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान से जुड़े अपने विचार पेश कर सकते हैं. प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्रों को 5 लाख रुपये

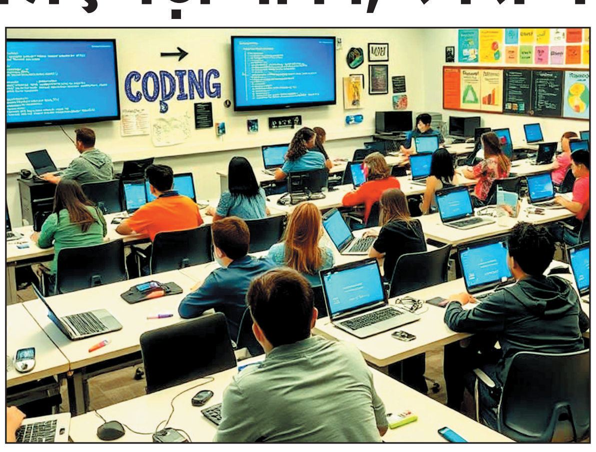

तक का कैश प्राइज दिया जाएगा. इसके अलावा प्रतिभागियों को स्पेस और टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री के विशेषज्ञों से सीखने और अपने विचार को बेहतर बनाने का अवसर भी मिलेगा. इस चैलेंज का मुख्य उद्देश्य छात्रों को यह सोचने के लिए प्रोत्साहित करना है कि स्पेस तकनीक का इस्तेमाल केवल अंतरिक्ष अभियानों तक सीमित न रहकर धरती पर लोगों और समुदायों की समस्याओं को हल करने में किस तरह किया जा सकता है. भारत के विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र अपनी तकनीकी समझ और रचनात्मक सोच के आधार पर इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं.

प्रतिभागी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपने आइडिया तैयार कर सकते हैं. इनमें सैटेलाइट कनेक्टिविटी, आपदा प्रबंधन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स यानी आईओटी, ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में डिजिटल पहुंच, साइबर सुरक्षा तथा स्पेस तक टिकाऊ पहुंच जैसे विषय शामिल हैं. इसके अलावा ऐसे समाधान भी प्रतियोगिता का हिस्सा बन सकते हैं, जो कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में इंटरनेट और संचार सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद करें.

> प्रतियोगिता में छात्रों के लिए आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं. पहले स्थान पर रहने वाले विजेता को 5 लाख रुपये का कैश प्राइज मिलेगा. दूसरे स्थान के विजेता को 3.75 लाख रुपये और तीसरे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 2.75 लाख रुपये दिए जाएंगे. इस तरह शीर्ष तीन विजेताओं के बीच कुल 11.50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि बांटी जाएगी.